



श्री ब्रह्मा जी की आरती

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम ही एक नाथ हमारे हो ।

जिनके कुछ और आधार नहीं, तिनके तुम ही रखवारे हो ॥

सब भाँति सदा सुखदायक हो, दुःख निर्गुण नाशन हारे हो ।

प्रतिपाल करो सिंगरे जग को, अतिशय करुणा उर धारे हो ॥

भूले हैं हम तो तुमको, तुम तो हमारी सुधि नहीं बिसारे हो ।

उपकारन को कछु अंत नहीं, छिन ही छिन जो विस्तारे हो ॥

महाराज महा महिमा तुम्हारी, मुझसे बिरले बुधवारे हो ।

शुभ शांति निकेतन प्रेमनिधि, मन मंदिर के उजियारे हो ॥

इस जीवन के तुम जीवन हो, इन प्राणन के तुम प्यारे हो ।

तुम सों प्रभु पाय 'प्रताप' हरि, केहि के अब और सहारे हो ॥

॥ इति श्री ब्रह्मा जी की आरती सम्पूर्णम् ॥

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

<https://bhaktimargdarshan.com/>

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी ।

अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें ।

Bhakti Margdarshan

